

## भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 07 से 14 सितम्बर 2016 तक हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। दिनांक 14 सितम्बर 2016 को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के साथ समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने कहा कि हिन्दी दिवस, सप्ताह या पखवाड़ा मनाने के स्थान पर हम लोगों को हिन्दी वर्ष मनाना चाहिए और वर्ष भर हिन्दी में कार्य करना चाहिए। इस प्रकार प्रत्येक वर्ष को हिन्दी वर्ष मानने पर ही हिन्दी में सरकारी काम-काज पूर्ण रूप से होना संभव हो सकेगा।



मुख्य अतिथि, डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. हिन्दी सप्ताह समापन समारोह के दौरान सम्बोधित करते हुए

डॉ. एन. एस. बिष्ट, उप महानिदेशक (विस्तार) ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण देते हुए बताया कि इस वर्ष हिन्दी सप्ताह के दौरान 6 प्रतियोगिताएं यथा, टिप्पण लेखन, निबंध, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, कम्प्यूटर पर



हिन्दी टंकण, वाद-विवाद एवं स्वरचित हिन्दी काव्यपाठ आयोजित की गईं, जिनमें कुल 41 प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। उन्होंने परिषद् द्वारा शुरू किए गए राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों एवं गत वर्ष में राजभाषा की प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि इच्छाशक्ति हो तो सारे कार्य हिन्दी में सरलता से किया जा सकता है।

उन्होंने सूचित किया कि भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2015-16 का राजभाषा पुरस्कार दिया गया है।

स्वागत भाषण के उपरांत हिन्दी दिवस 2016 के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी, भारत सरकार के संदेश को श्री रमाकान्त मिश्र, वैज्ञानिक – 'बी', मीडिया एवं विस्तार प्रभाग द्वारा पढ़ा गया। तदुपरांत, स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. शशि कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. के करकमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

समारोह का समापन श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में लगभग 80 अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## Celebration of Hindi Week at ICFRE, Dehradun

Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) celebrated Hindi Week from 07 to 14 September 2016. The closing ceremony of the event took place today i.e. 14 September 2016 in ICFRE Auditorium. Dr. Shashi Kumar, DG, ICFRE was the Chief Guest on this occasion. The programme started with the lighting of the lamp by the Chief Guest Dr. Shashi Kumar, DG, ICFRE. He stated that in place of observing Hindi Day or Week or Fortnight, we have to observe Hindi Year to make Hindi popular in day-to-day official works of the Government.



Chief Guest, Dr. Shashi Kumar, DG, ICFRE addressing the audience during the closing ceremony of Hindi Week at ICFRE

Dr. N.S. Bisht, DDG (Extn.), while delivering the welcome address laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Week including six competitions namely, Noting-Drafting, Hindi Essay Writing, Hindi Translation, Hindi Typing, Hindi Debate and Self - Written Poetry Recitation in which 41 participants actively participated. He also informed that "*ICFRE Rajbhasha Puraskar*" was awarded to Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur for best performance amongst the institutes situated in 'A' region and Institute of Forest Genetics and Tree Breeding (IFGTB), Coimbatore for best performance amongst the institutes situated in 'C' region for best implementation of Rajbhasha Hindi for the year 2015-16.



After the welcome address, the message of Hon'ble Home Minister, Government of India on the occasion of Hindi Diwas 2016 was read by Shri R.K. Mishra, Scientist- B, Media and Extension Division. It was followed by a 'Self - Written Poetry Recitation' competition on the occasion. Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi Week by the Chief Guest, Dr. Shashi Kumar, DG, ICFRE.

The programme concluded with vote of thanks by Shri Raja Ram Singh, ADG (M & Extn.). About 80 officers, scientists and employees were present during the closing ceremony.